JETIR.ORG ISSN: 2349-5162 | ESTD Year : 2014 | Monthly Issue
JOURNAL OF EMERGING TECHNOLOGIES AND INNOVATIVE RESEARCH (JETIR)
An International Scholarly Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

भारतीय जीवन बीमा निगम का भारतीय अर्थव्यवस्था में वित्तीय योगदान

PAWAN KUMAR SINGH
A.K.(PG) College Shikohabad Firozabad
Dr. Bhimrao Ambedkar University, Agra

Prof.BHEEM SEN YADAV
Incharge Commerce Faculty
A.K.(PG) College Shikohabad Firozabad
Dr. Bhimrao Ambedkar University, Agra

सारांश- भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास में वित्तीय संस्थाओं ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है। ये संस्थाएँ लोगों की बचत को एकत्र करके उसे विभिन्न आर्थिक गतिविधियों में लगाने का कार्य करती हैं। जीवन बीमा भी इसी व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह व्यक्ति और उसके परिवार को भविष्य की आर्थिक अनिश्चितताओं से सुरक्षा देने के साथ-साथ नियमित बचत के लिए प्रेरित करता है। भारत में जीवन बीमा के क्षेत्र में भारतीय जीवन बीमा निगम (LIC) का विशेष स्थान है। जीवन बीमा उपलब्ध कराने के साथ-साथ यह देश में दीर्घकालिक बचत को संगठित करने, पूँजी निर्माण को बढ़ावा देने और विभिन्न वित्तीय साधनों में निवेश करने का कार्य करता है। बड़ी संख्या में पॉलिसीधारकों से प्राप्त प्रीमियम को भारतीय जीवन बीमा निगम दीर्घकालिक निवेश में लगाता है। इस प्रकार व्यक्तिगत बचत का एक हिस्सा संगठित वित्तीय व्यवस्था में पहुँचता है और अर्थव्यवस्था में पूँजी के प्रवाह को मजबूत करता है। वित्तीय वर्ष 2024–25 में भारतीय जीवन बीमा निगम की कुल प्रीमियम आय ₹4,88,148.17 करोड़ रही, जबकि निवेश एवं अन्य आय ₹3,95,927.98 करोड़ रही। इसी अवधि में LIC की Assets Under Management (AUM) लगभग ₹54.52 लाख करोड़ रही। ये आँकड़े बताते हैं कि भारतीय जीवन बीमा निगम केवल बीमा संस्था के रूप में ही नहीं, बल्कि देश की दीर्घकालिक वित्तीय पूँजी के एक बड़े संचालक के रूप में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

प्रमुख शब्द- भारतीय जीवन बीमा निगम, भारतीय अर्थव्यवस्था, बचत, निवेश, वित्तीय वर्ष, पूंजी, लाभ।

उद्देश्य

1- भारतीय जीवन बीमा निगम की आर्थिक भूमिका को समझना।

2-देश में बचत के संकलन में भारतीय जीवन बीमा निगम के योगदान का अध्ययन करना।

3-भारतीय वित्तीय बाजार में भारतीय जीवन बीमा निगम की भूमिका को समझना।

4- वित्तीय समावेशन और सामाजिक सुरक्षा में भारतीय जीवन बीमा निगम के योगदान का अध्ययन करना।

5- भारतीय अर्थव्यवस्था के संदर्भ में भारतीय जीवन बीमा निगम की वर्तमान भूमिका का मूल्यांकन करना।

प्रस्तावना - किसी भी देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में बचत और निवेश की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। जब लोगों की बचत संगठित वित्तीय संस्थाओं के माध्यम से निवेश में परिवर्तित होती है, तो उसका उपयोग आर्थिक गतिविधियों के विस्तार में किया जा सकता है। भारत जैसे विशाल और विकासशील देश में ऐसी संस्थाओं का महत्व और बढ़ जाता है।

भारतीय जीवन बीमा निगम की स्थापना 1956 में हुई थी। लंबे समय तक भारतीय जीवन बीमा निगम भारत के जीवन बीमा क्षेत्र का प्रमुख संस्थान रहा है। निजी बीमा कंपनियों के बढ़ते विस्तार के बावजूद भारतीय जीवन बीमा निगम की वित्तीय स्थिति और व्यापक ग्राहक आधार इसे भारतीय वित्तीय व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाए रखते हैं। जीवन बीमा का प्राथमिक उद्देश्य व्यक्ति और उसके परिवार को आर्थिक सुरक्षा देना है। लेकिन इसके साथ ही बीमा कंपनियाँ बड़ी मात्रा में दीर्घकालिक धन एकत्र करती हैं। इस धन का निवेश विभिन्न वित्तीय साधनों में किया जाता है।

इस अध्ययन का मुख्य उद्देश्य यह समझना है कि भारतीय जीवन बीमा निगम किस प्रकार लोगों की बचत को संगठित करके निवेश और पूँजी निर्माण की प्रक्रिया से जोड़ता है तथा भारतीय अर्थव्यवस्था में वित्तीय योगदान करता है।

बीमा क्षेत्र और आर्थिक विकास के बीच संबंध को लेकर विभिन्न अध्ययनों में यह माना गया है कि बीमा संस्थाएँ जोखिम सुरक्षा के साथ-साथ दीर्घकालिक बचत को बढ़ावा देती हैं। जीवन बीमा विशेष रूप से लंबी अवधि के लिए धन एकत्र करने का माध्यम बनता है।

भारतीय संदर्भ में भारतीय जीवन बीमा निगम पर किए गए अध्ययनों में सामान्यतः इसकी बचत जुटाने, निवेश करने, रोजगार उपलब्ध कराने और सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने वाली भूमिका पर ध्यान दिया गया है। भारतीय बीमा क्षेत्र के उदारीकरण के बाद हुए अध्ययनों में सार्वजनिक और निजी बीमा कंपनियों के बीच प्रतिस्पर्धा तथा बदलते बाजार वातावरण पर भी चर्चा की गई है।

हालाँकि वर्तमान समय में भारतीय जीवन बीमा निगम की वित्तीय स्थिति, उसके बड़े निवेश आधार और बदलते बीमा बाजार को ध्यान में रखते हुए इसके आर्थिक योगदान का पुनर्मूल्यांकन आवश्यक है। भारतीय जीवन बीमा निगम की आर्थिक भूमिका को केवल पॉलिसी बेचने वाली संस्था के रूप में नहीं देखा जा सकता। इसके कार्यों का प्रभाव बचत, निवेश और वित्तीय बाजार के विभिन्न क्षेत्रों पर पड़ता है। भारतीय जीवन बीमा निगम बड़ी संख्या में पॉलिसीधारकों से प्रीमियम प्राप्त करती है। यह राशि लंबे समय के लिए उपलब्ध रहती है और इसका एक बड़ा हिस्सा विभिन्न निवेश माध्यमों में लगाया जाता है। इस प्रक्रिया में घरेलू बचत वित्तीय प्रणाली का हिस्सा बनती है। इस दृष्टि से भारतीय जीवन बीमा निगम व्यक्ति की व्यक्तिगत वित्तीय सुरक्षा और देश की वित्तीय व्यवस्था के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी का काम करती है।

भारतीय परिवारों की बचत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बीमा उत्पादों में लगाया जाता है। जीवन बीमा लोगों को भविष्य की आर्थिक आवश्यकताओं के लिए नियमित रूप से धन बचाने के लिए प्रेरित करता है।

वित्तीय वर्ष 2024–25 में भारतीय जीवन बीमा निगम की कुल प्रीमियम आय ₹4,88,148.17 करोड़ रही। यह राशि पिछले वित्तीय वर्ष की ₹4,75,069.58 करोड़ की प्रीमियम आय से अधिक थी। इतनी बड़ी राशि का संकलन यह दर्शाता है कि भारतीय जीवन बीमा निगम देश में दीर्घकालिक वित्तीय बचत जुटाने वाली प्रमुख संस्थाओं में से एक है। यहाँ यह समझना महत्वपूर्ण है कि पॉलिसीधारकों की बचत सीधे सरकारी खर्च में परिवर्तित नहीं होती। लेकिन बीमा संस्था द्वारा एकत्रित धन के निवेश से वित्तीय बाजार में दीर्घकालिक पूँजी उपलब्ध होती है।

आर्थिक विकास के लिए केवल बचत पर्याप्त नहीं है। बचत का उत्पादक निवेश में परिवर्तित होना भी आवश्यक है। भारतीय जीवन बीमा निगम की यही भूमिका उसे अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण बनाती है। वित्तीय वर्ष 2024–25 में भारतीय जीवन बीमा निगम का कुल निवेश लगभग ₹52.89 लाख करोड़ रहा। भारतीय जीवन बीमा निगम के पास बहुत बड़ा निवेश आधार है, जिसमें इक्विटी तथा अन्य निवेश साधनों का महत्वपूर्ण हिस्सा शामिल है।

दीर्घकालिक निवेश के कारण अर्थव्यवस्था में अपेक्षाकृत स्थिर वित्तीय पूँजी उपलब्ध होती है। यह पूँजी वित्तीय बाजार के माध्यम से कंपनियों, सरकारी प्रतिभूतियों और अन्य निवेश माध्यमों तक पहुँचती है। इस प्रकार भारतीय जीवन बीमा निगम की गतिविधियाँ देश में पूँजी निर्माण की प्रक्रिया को अप्रत्यक्ष रूप से मजबूत करती हैं।

भारतीय जीवन बीमा निगम भारतीय वित्तीय बाजार की एक बड़ी संस्थागत निवेशक है। इसके निवेश निर्णयों का प्रभाव पूँजी बाजार पर भी पड़ सकता है। भारतीय जीवन बीमा निगम का इक्विटी निवेश पोर्टफोलियो वित्तीय वर्ष 2024–25 में लगभग ₹13.43 लाख करोड़ रहा। इतनी बड़ी मात्रा में इक्विटी निवेश से भारतीय जीवन बीमा निगम भारतीय शेयर बाजार में महत्वपूर्ण संस्थागत निवेशक के रूप में दिखाई देती है। इसके अलावा भारतीय जीवन बीमा निगम के निवेश का एक बड़ा हिस्सा अन्य वित्तीय साधनों में भी रहता है। इस प्रकार भारतीय जीवन बीमा निगम पूँजी बाजार और ऋण बाजार दोनों में दीर्घकालिक निवेश की भूमिका निभाती है।

बड़े संस्थागत निवेशकों की उपस्थिति बाजार में दीर्घकालिक पूँजी उपलब्ध कराने में सहायक होती है। हालांकि बाजार में किसी एक संस्था के निवेश को आर्थिक विकास का एकमात्र कारण मानना उचित नहीं होगा।

भारतीय जीवन बीमा निगम के निवेश पोर्टफोलियो में सरकारी प्रतिभूतियों तथा अन्य सुरक्षित वित्तीय साधनों का महत्वपूर्ण स्थान है। इस प्रकार भारतीय जीवन बीमा निगम सरकारी उधारी के लिए उपलब्ध वित्तीय संसाधनों के व्यापक आधार का हिस्सा बनती है।

सरकारी प्रतिभूतियों में संस्थागत निवेश से सरकार को दीर्घकालिक वित्तीय संसाधन प्राप्त करने में सहायता मिलती है। इन संसाधनों का उपयोग सरकार अपने विभिन्न विकासात्मक और सार्वजनिक व्यय संबंधी कार्यों के लिए करती है। इसलिए भारतीय जीवन बीमा निगम के निवेश को सार्वजनिक वित्त की व्यवस्था से भी जोड़कर देखा जा सकता है।

भारतीय जीवन बीमा निगम से केवल धन एकत्र नहीं होता, बल्कि समय-समय पर पॉलिसीधारकों को विभिन्न प्रकार के भुगतान भी किए जाते हैं। वित्तीय वर्ष 2024–25 में भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा पॉलिसीधारकों को लगभग ₹4,16,354.69 करोड़ का भुगतान किया गया। जब पॉलिसीधारकों को परिपक्वता राशि, दावे या अन्य लाभ प्राप्त होते हैं, तो यह धन दोबारा अर्थव्यवस्था में खर्च, बचत या निवेश के रूप में प्रवेश कर सकता है। इस प्रकार बीमा व्यवस्था में धन का प्रवाह केवल एक दिशा में नहीं होता। लोगों से प्राप्त धन निवेश के माध्यम से वित्तीय व्यवस्था में जाता है और बाद में विभिन्न रूपों में लोगों तक वापस पहुँचता है।

भारतीय जीवन बीमा निगम की वित्तीय क्षमता को समझने के लिए Assets Under Management एक महत्वपूर्ण संकेतक है। वित्तीय वर्ष 2024–25 के अंत में भारतीय जीवन बीमा निगम का AUM लगभग ₹54.52 लाख करोड़ था, जबकि 2023–24 में यह लगभग ₹51.22 लाख करोड़ था। AUM में वृद्धि यह संकेत देती है कि भारतीय जीवन बीमा निगम के पास प्रबंधन के लिए उपलब्ध वित्तीय परिसंपत्तियों का आधार लगातार बड़ा है। इतनी बड़ी परिसंपत्ति आधार वाली संस्था का भारतीय वित्तीय व्यवस्था में स्वाभाविक रूप से महत्वपूर्ण स्थान बनता है।

भारत में अभी भी बड़ी संख्या में ऐसे लोग हैं जिन तक औपचारिक वित्तीय सेवाओं की पहुँच पूरी तरह नहीं हो पाई है। बीमा का विस्तार वित्तीय समावेशन को मजबूत करने में सहायता कर सकता है।

भारतीय जीवन बीमा निगम का देश के विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक कार्यालय नेटवर्क है। 2024–25 के आँकड़ों के अनुसार इसके 2,048 शाखा कार्यालय, 1,584 सैटेलाइट कार्यालय और 1,168 मिनी कार्यालय थे। इस प्रकार भारतीय जीवन बीमा निगम की भौतिक उपस्थिति छोटे शहरों और अपेक्षाकृत दूरस्थ क्षेत्रों तक वित्तीय सेवाओं की पहुँच में सहायता करती है। भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा सामाजिक सुरक्षा से जुड़े बीमा कार्यक्रमों में भी भागीदारी की जाती है। इससे कम आय वाले और असंगठित क्षेत्र से जुड़े लोगों तक बीमा सुरक्षा पहुँचाने में सहायता मिलती है।

भारतीय जीवन बीमा निगम का योगदान केवल वित्तीय आँकड़ों तक सीमित नहीं है। इसके विशाल कार्यालय नेटवर्क और वितरण व्यवस्था से प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के अवसर जुड़े हुए हैं। बीमा एजेंट, कर्मचारी, विकास अधिकारी और विभिन्न सेवा प्रदाता बीमा व्यवस्था का हिस्सा होते हैं। इसके अलावा बीमा उत्पादों के माध्यम से लोगों में बचत, जोखिम प्रबंधन और भविष्य की वित्तीय योजना के प्रति जागरूकता भी बढ़ती है। वित्तीय जागरूकता बढ़ना लंबे समय में वित्तीय समावेशन और आर्थिक स्थिरता के लिए उपयोगी हो सकता है।

भारतीय जीवन बीमा निगम के प्रमुख वित्तीय आँकड़े

वित्तीय वर्ष 2024–25 के प्रमुख वित्तीय संकेतक

क्र. सं.	संकेतक	वित्तीय वर्ष 2024–25
1	कुल प्रीमियम आय	₹4,88,148.17 करोड़
2	निवेश एवं अन्य आय	₹3,95,927.98 करोड़
3	कुल आय	₹8,84,076.15 करोड़
4	शुद्ध लाभ (PAT)	₹48,151.17 करोड़
5	AUM	₹54.52 लाख करोड़
6	कुल निवेश	₹52.89 लाख करोड़
7	इक्विटी निवेश पोर्टफोलियो	₹13.43 लाख करोड़
8	पॉलिसीधारकों को भुगतान	₹4,16,354.69 करोड़

(स्रोत- LIC Annual Report 2024–25 एवं LIC की आधिकारिक वेबसाइट)

भारतीय बीमा बाजार में पिछले कुछ वर्षों में महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए हैं। निजी क्षेत्र की कंपनियों की बढ़ती प्रतिस्पर्धा, डिजिटल सेवाओं का विस्तार और ग्राहकों की बदलती अपेक्षाएँ भारतीय जीवन बीमा निगम के लिए नई चुनौतियाँ प्रस्तुत करती हैं। युवा ग्राहक अब बीमा खरीदने के लिए डिजिटल माध्यमों का अधिक उपयोग कर रहे हैं। ऐसे में भारतीय जीवन बीमा निगम को अपनी पारंपरिक मजबूत व्यवस्था के साथ तकनीकी सुविधाओं को भी लगातार बेहतर बनाना होगा। इसके अलावा केवल बड़ी परिसंपत्ति का होना पर्याप्त नहीं है। निवेश की गुणवत्ता, जोखिम प्रबंधन, ग्राहक सेवा और पारदर्शिता भी उतनी ही महत्वपूर्ण हैं।

निष्कर्ष- भारतीय जीवन बीमा निगम की भूमिका भारतीय अर्थव्यवस्था में बहुआयामी है। इसका मूल कार्य जीवन बीमा उपलब्ध कराना है, लेकिन इसके साथ-साथ यह देश में दीर्घकालिक बचत जुटाने, वित्तीय संसाधनों के निवेश, पूँजी बाजार में भागीदारी और पॉलिसीधारकों को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

2024–25 के वित्तीय आँकड़े भारतीय जीवन बीमा निगम के विशाल वित्तीय आधार को स्पष्ट करते हैं। लगभग ₹4.88 लाख करोड़ की प्रीमियम आय और लगभग ₹54.52 लाख करोड़ के AUM से इसकी वित्तीय क्षमता का अनुमान लगाया जा सकता है।

भारतीय जीवन बीमा निगम की गतिविधियों को भारतीय अर्थव्यवस्था के संदर्भ में देखते समय यह समझना जरूरी है कि उसका योगदान प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों रूपों में दिखाई देता है। बचत का संकलन, उसका निवेश, वित्तीय बाजार में भागीदारी तथा बाद में पॉलिसीधारकों तक धन का पहुँचना—ये सभी प्रक्रियाएँ अर्थव्यवस्था में वित्तीय प्रवाह को बनाए रखने में योगदान देती हैं।

भविष्य में भारतीय जीवन बीमा निगम की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि वह अपनी मजबूत संस्थागत स्थिति को बनाए रखते हुए डिजिटल परिवर्तन, बढ़ती प्रतिस्पर्धा, ग्राहक अपेक्षाओं और वित्तीय समावेशन की नई आवश्यकताओं के साथ कितनी प्रभावी ढंग से आगे बढ़ती है।

अतः यह कहा जा सकता है कि भारतीय जीवन बीमा निगम भारतीय वित्तीय व्यवस्था का केवल एक बीमा संस्थान नहीं, बल्कि दीर्घकालिक बचत, निवेश और वित्तीय सुरक्षा की व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। प्रस्तुत अध्ययन द्वितीयक आंकड़ों पर आधारित है जिसमे भारतीय जीवन बीमा निगम के बचत, निवेश, पूँजी निर्माण, वित्तीय बाजार, वित्तीय समावेशन तथा पॉलिसीधारकों को धन के पुनः प्रवाह में योगदान का विश्लेषण किया गया है। इसमें भारतीय जीवन बीमा निगम की आधिकारिक रिपोर्टों और सरकारी संस्थाओं से प्राप्त उपलब्ध जानकारी का उपयोग किया गया है। इसलिए अध्ययन के निष्कर्ष उपलब्ध आँकड़ों और प्रकाशित स्रोतों की सीमा के भीतर समझे जाने चाहिए।

संदर्भ सूची-

1- भारतीय जीवन बीमा निगम (LIC), Annual Report 2024–25, भारतीय जीवन बीमा निगम
2- भारतीय जीवन बीमा निगम (LIC), Financial/Investment Information, आधिकारिक वेबसाइट
3-Insurance Regulatory and Development Authority of India (IRDAI), Handbook/Annual Insurance Data
4-Department of Financial Services, Ministry of Finance, Government of India, Annual Report 2025–26
5- Reserve Bank of India, Annual Report एवं भारतीय वित्तीय बाजार से संबंधित प्रकाशित सामग्री
6- Government of India, Ministry of Finance, Economic Survey